

३. १. परिघापसैतीहौः संनिकर्षे च मुष्टिभिः। निश्चतो समरे इन्द्राऽन्यम् MBh. १, ११४, ३, १६०६. २५५९. ११९४. वशकल्पेन मुष्टिना HARIV. ३७७८. १६०२२. १६०२४. fg. R. ६, ३६, ४२, ४५. Suçr. १, १०१, २१. कृतात्स्य RAGH. १३, २१. Spr. २०९७. ३२८२. KATHĀS. ३७, १६६. VID. ८१. निष्कन्तिष्ठान मुष्टिना AK. २, ६, ३७. दण्ड मुष्टिम् MBH. ४, १९७६. दुर्भज्जः HARIV. ११३८. बालस्ताम्बतलं मुष्टिं कृता चास्ये निधाव च MBH. २, ७१९. सुबद्धेन मुष्टिना वशकल्पेन HARIV. ३७७९. R. ४, १३, २१. AK. २, ६, ३, ३७ (f.). धनुर्मध्ये बहु मुष्टिम् R. ४, २८, ५. चपे च बहुमुष्टिलं न दाने धीरचेतसः KATHĀS. ३३, ३४. दृतराष्ट्रिबहू (कृपा) Spr. १२२७. मुष्टिं कृता HARIV. १६०२१. गूढाङ्गुष्टकृतं mit eingekniffenem Daumen Suçr. १, ३३९, ५. व्यवचिक्षेवन मुष्टिना R. ३, ३०, १७. मुष्टिमुख्यम् ५, २३, ३०. R. ६, ३६, ४४. MÄRK. P. १०, १५, १६. मुष्टिं प्रगृह्ण HARIV. १६०२०. कण्ठे मुद्या गृहीतः KATHĀS. २६, २५७. आकाशं मुष्टिमित्तमः MBH. ३, १३३४. मध्येन मुष्टिमयेन eine Taille, die man mit der Hand umfassen kann, KATHĀS. ३३, ४९. दानवो मुष्टिनैकेन — निपातितः mit einem Faustschlage HARIV. ११०२. ४७३९. ०न्यास Verz. d. Oxf. H. ११३, b, २२. — २) *Handvoll*, manipulus: दर्भं CAT. BR. १, २, १, १. KĀTJ. CR. ६, २, १२. १४, ३, ५. TBR. ३, २, १, ६, १०, ११, ५. ĀCV. GRH. १, १०, ६. कुशं KĀTJ. CR. १, ३, २३. MBH. १, ५१६० (f.). ३, १३९८. २९३३. १०, २९७६. १३, ३४४१. RAGH. १९, ५७. KUMĀRAS. ७, ६९. MEGH. ६९. ČAK. ८९. AK. ३, ४, २५, १७। H. ८३३. Spr. ७६९. ४४१७. KATHĀS. २८, १६३. fg. ६१, ४२, ७१, २६६. PRAB. २१, ५. PANĀK. २१३, १. R. ३, ४, ४३ (२, ११८, २९ ed. Bomb.). कच्छिलावं (= सस्यच्छेदनकालम् Schol.) च मुष्टिं (= सस्यगोपनकालम् डुर्भितम् Schol.) परराष्ट्रं परंतप। श्विहाय महाराज निर्हृति समरे रिष्पून् || nicht das Geringste, keine Handvoll dalassend MBH. २, १९८. — ३) *Handvoll* als ein best. Maass = पल MED. (falschlich पल gedr.). ČĀRĀG. SAMH. १, १, १८. Verz. d. Oxf. H. ३०७, b, २, ७. अष्टमुष्टिर्भवेत्कुच्चिः कुच्चयो रैष्टि च पुक्तलम् Citat bei KULL. zu M. ७, १२६. — ४) Griff (eines Schwertes u. s. w.) AK. २, ४, २, ५८ (bis). H. ७८२. ७४४. ८९२. MED. HALĀJ. २, ३१८. दृतराष्ट्रिबहू (कृपा) Spr. १२२७. लृतस्तस्या लीलावश्चमुद्या खन्तितिम् KATHĀS. ३३, ४२. — ५) aus VS. २३, २४ schliesst MAHĀBH. irrig die Bed. penis. — मुष्टि könnte auf १. मुष् zurückgeführt werden: die zum Packen und Festhalten der Beute geschlossene Hand. — Vgl. केशं, गाढः (vollkommen geballte Hand: °वर्चस् so v. a. zum Knäuel geballt Suçr. १, ३४३, ३), मुष्, दृष् (nom. abstr. zu Bed. १. °ता f. MBH. १, ५३४२), बहू, वशं, विषं, मैषा.

मुष्टिक (von मुष्टि) १) m. a) eine best. Handstellung Verz. d. Oxf. H. ८६, a, २७. २०२, a, ५. — b) pl. Bez. eines verachteten Stammes R. २, ३९, १९. — डाम्बा; Schol. Vgl. मूचीप, मूतिक. — c) Goldschmied H. ९०८. HALĀJ. २, ४४३. — d) N. pr. eines Asura HARIV. २३६। ३१८. ४५३९. fgg. ४७४२. ३८७७. VP. ५४७. fg. KATHĀS. ४७, १२. PANĀK. ४, १, २८. ०घ Beiw. Vishṇu's ३, १२९. — २) f. शा in अत्तमुष्टिकाकथन (= अङ्गुतिविन्यासविशेषण मूचनम्) Fingersprache Verz. d. Oxf. H. २१७, a, १४. — ३) wohl n. Faustkampf MBH. २, ९०९.

मुष्टिकस्वस्तिक (मु० + स्व०) m. eine best. Stellung der Hände beim Tanze Verz. d. Oxf. H. २०२, a, २७.

मुष्टिकात्तक m. der Vernichter (अत्तक) *Mushṭika's*, Bein. *Bala deva's* ČĀDĀR. im ČKDRA.

मुष्टिदेश (मु० + देश) m. die Stelle des Bogens, die man mit der Hand umfasst, die Mitte des Bogens HARIV. ४४१७.

मुष्टिशूत (मु० + शूत) n. ein best. Spiel, = पुरमुद्रेता in der Volks- sprache ČĀDĀR. im ČKDRA. das Spiel paar oder unpaar WILSON.

मुष्टिधम (मुष्टिम् acc. von मुष्टि, + धम) adj. f. इ in die Faust blasend P. ३, २, ३०. VOP. २६, ५४.

मुष्टिधय (मुष्टिम् + धय) adj. an der Faust saugend P. ३, २, ३०. VOP. २६, ५४. Welche Bed. hat aber das Wort in der folgenden Stelle: व्हेमे शंकरस्त्रोर्गुणगणा दिग्जालकूलंकाशः कालोन्मीलितमालतीपरिमलाव-ष्टमुष्टिधयः Verz. d. Oxf. H. २३२, b, ३३? m. Knabe TRIK. २, ६, ८.

मुष्टिबन्ध (मु० + बन्ध) m. १) das Ballen der Hand AK. ३, ३, १४. das Schliessen der Hand beim Fassen VJUTP. १२०. — २) *Handvoll*: मूलका- दीना परिमितो मुष्टिबन्धः P. ३, ३, ६६, Sch.

मुष्टिमुख (मु० + मुख) adj. ein faustähnliches Gesicht habend P. ६, २, १६८.

मुष्टिपुङ्क (मु० + पुङ्क) n. Faustkampf MBH. ७, १३९९. HARIV. १६०२३.

मुष्टिकृत्या (मु० + कृ०) f. *Handgemenge*: नि पेन मुष्टिकृत्या नि वृत्रा रुष्यामहै R.V. ४, ८, २.

मुष्टिकैनू (मु० + कैनू) adj. im Handgemenge kämpfend (der Gemeine im Gegensatz zum Wagenkämpfer): युध्येति मुष्टिका बाङ्गूतूः R.V. ५, ३४, ४. लौं चष्टे मुष्टिका गोषु युद्धैन् ६, २६, २, ८, २०, २०. AV. ५, २२, ४.

मुष्टोकरु (मुष्टि + १. करु) die Hand ballen: मुष्टिकैति प्रजस्य धृतै TS. ५, २, १, ७. CAT. BR. ३, १, ३, २५.

मुष्टोमुष्टि (मुष्टि + मु०) adv. Faust gegen Faust, im Handgemenge VOP. ६, ३३. — Vgl. मुष्टामुष्टि.

मुष्टक m. schwarzer Senf RATNAM. im ČKDRA. व्यष्टक v. l. ČKDRA. u. राजसर्पण.

मुस्, मुस्यति (खाउने) DHĀTUP. २६, १११. — Vgl. ४. मुस्.

मुसटी f. eine weisse Varietät von *Panicum italicum* H. ११७७. मुसटी v. l. मुसल (oxyt. UGGVAL. zu UNĀDIS. १, १०८) VS. PAṄT. ३, ८०. gaṇa सवनादि zu P. ३, ३, ११०. Häufig fehlerhaft mit ष und श (vgl. UGGVAL. a. a. O.) geschrieben. १) m. n. gaṇa मर्गर्यादि zu P. २, ४, ३१. TRIK. ३, ३, १४. SIDDH. K. २३०, b, ८. a) Mōrselkolben, Stössel AK. २, १२, २५. H. १०१७. an. ३, ६७८. MED. १, १२३. Viçvā bei UGGVAL. AV. ४०, १, २६. ४४, ३, ३, १२, ३, १३. TS. १, ६, ४, ३. CAT. BR. १२, ३, ३, ७. KĀTJ. CR. ३, ७, १९. ४७, ३, ३, २०, १, ४०. KAUC. २९, ६१, ८१, ८७. ĀCV. GRH. ४, ३, १४. KĀN. ५, १, २, ३. HARIV. २२०४ (मुवल die ältere Ausg.). PRAB. २१, १२. मन्नमुसले wenn der Mōrselkolben ruht M. ६, ५६. MBH. १२, ८४३।

उत्तूलमुसल und मुसलोलुबल s. u. उत्तूल १. गद्वीला प्रन्थिमुशलां (?) मूठो भिन्नरवात् KATHĀS. ६५, १३५. st. dessen einfach प्रन्थि १३६. — b)

Keule H. २२३. M. ४, ३१५. ११, ११०. JĀGN. ३, २५७. MBH. ३, १२०९३. १२२०१. HARIV. ३१३ (m.). R. GORR. १, ४१, २१. VARĀH. Bṛ. S. १९, ३, ६९, १७. VP. ६०७. BHĀG. P. ४, १०, २५ (m.). MÄRK. P. ११६, १४ (n.). कालूः R. GORR. १, ३०, १३. कङ्कालूः R. SCHL. १, २९, १३, ५६, ११ (कङ्काल, मुसल ed. Bomb. an beiden Stellen). दत्तमुष्टलप्रकृतैः (महागात्स्य) PANĀKAT. ६९, १. चक्रमुष्टलो नाम संपातः mit Diskus und Keule ausgeführt HARIV. ५३४६. Am Ende eines adj. comp. f. शा HARIV. १५८२७. — c) ein best. chirurgisches Instrument SUÇR. २, २९, ५, १५. — d) eine best. Constellation VARĀH. Bṛ. १२, १, ११. — २) m. N. pr. eines Mannes gaṇa गर्गादि zu P. ४, १, १०५. eines Sohnes des Viçvāmitra MBH. १३, २५२ (मुसल ed. Bomb.). — ३) f. इ a) Curculigo orchoides AK. २, ४, २, ७. H. an. MED. VIÇVĀ a. a. O. Salvinia cucullata Roxb. H. an. MED. VIÇVĀ. — b) Hauseidechse AK. २, ५,